केन्द्रीय विद्यालय भदोही
(शिक्षा मंत्रालय,स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ,भारत सरकार)
मॉडल स्कूल , सागर रायपुर
पोस्ट ऑफिस : जंगीगंज
जिला : भदोही (221310), उत्तर प्रदेश
ईमेल : kvbhadohi@gmail.com

KENDRIYA VIDYALAYA BHADOHI
(Ministry of Education, Deptt of School Education & Literacy, Govt. of India)
Model School, Sagar Raipur
Post Office: Jangiganj
Distt: Bhadohi (221310), Uttar Pradesh
Email: kvbhadohi@gmail.com

2020-21

अंकुर

ई –पत्रिका

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय भदोही

अंकुर ई - पत्रिका 2020-21

मुख्य संरक्षक	श्री डी मानिवणणं	उपायुक्त के. वि. स. (क्षे . का.) वाराणसी
संरक्षक	श्री आशुतोष पाण्डेय	प्राचार्य के. वि. भदोही
परामर्श	श्री प्रमोद कुमार प्रजापति श्री जितेन्द्र कुमार सिंह श्री अनन्त प्रकाश राव	प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शिक्षक (संगीत)
प्रधान संपादक	श्री सर्वेश कुमार गिरि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह	प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शिक्षक
शिक्षक सदस्य	सुश्री श्रुतिका श्रीवास्तव सुश्री विभा मिश्रा श्री अनन्त प्रकाश राव श्री जितेन्द्र कुमार सिंह श्री प्रमोद कुमार प्रजापति श्री सर्वेश कुमार गिरि श्री कमलेश कुमार	प्राथमिक शिक्षिका प्राथमिक शिक्षिका प्राथमिक शिक्षक (संगीत) प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शिक्षक
कंप्यूटर डिजाइन	श्री सर्वेश कुमार गिरि	प्राथमिक शिक्षक

प्राचार्य की लेखनी से .....

विद्यालय की प्रथम ई पुस्तिका "अंकुर" के प्रकाशन के दौरान मुझे अत्यंत प्रसन्नता एवं गर्व का अनुभव हो रहा है।

जैसा की हम देख रहें हैं की पूरी दुनिया के साथ हमारा देश भी मानव सभ्यता मे ज्ञात अब तक की सबसे बड़ी महामारी का मुक़ाबला कर रहा है , हमारे विद्यालय परिवार के सभी लोग चाहे वह ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन कर रहे शिक्षक हो या छात्र सभी ने बड़े धैर्य एवं साहस का परिचय देते हुए विद्यालय द्वारा कराई गयी सभी ऑनलाइन गतिविधियों को सम्पन्न कराया अथवा भाग लिया है ।

हमने अपने विद्यालय के वैबसाइट के माध्यम से ई लर्निंग ब्लॉग का भी संचालन किया व कर रहे हैं जिसमे अब तक लगभग 1000 ऑनलाइन कक्षाओं का गूगल मीट के माध्यम से संचालन हो चुका है ,हमारे जैसे छोटे विद्यालय के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है और जिसके लिए मै अपने सभी शिक्षक साथियों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ साथ ही स्थानीय प्रशासन का सहयोग जिसमे श्रीमान जिलाधिकारी भदोही एवं अध्यक्ष विद्यालय प्रबंध समिति का विशेष योगदान है एवं श्री डी मणिवन्नन जी , उपायुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी का सुंदर मार्गदर्शन भी उल्लेखनीय है ।

आशा करता हूँ की यह पत्रिका विद्यालय के सुंदर प्रतिविम्ब के रूप मे अपना एक यादगार स्थान बनाएगी ।

हमारे विद्यालय के सभी शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी जो भी विद्यालय के सुंदर संचालन मे अपना सहयोग दे रहे हैं उनके प्रति एक बार फिर मै हृदय से आभार प्रकट करता हूँ ।

आशुतोष

(आशुतोष पाण्डेय)

प्राचार्य

FROM EDITOR'S DESK....

"अंकुर " is my maiden effort as an editor, in this challenging times of corona pandemic this magazine is the combined effort of all the teachers, staff and students of Kendrya Vidyalaya Bhadohi who have worked very hard to make this thing possible.

I am highly grateful to our **Chief Patron Respected DEPUTY COMMISSIONER Sir (Shri D. Mannivannan)** and my guiding pillar **Shri Ashutosh Pandey Principal-II , K.V. Bhadohi**.

In this tough times of online education, students as well as teachers have gone through a transition , this transition has benefited us and we have not let the difficulties come our way in teaching – learning . Students have participated in contributing maximum to their school's first ever e-magazine. Even I have taken this magazine as a challenge to make sure the first ever edition becomes a memorable edition in the history of KV Bhadohi.

A student is expected to learn maximum in schools but even though the schools have been closed since long but the will to learn amongst our students is commendable, they have never ever let their teachers down. I feel privileged to have been given the responsibility to present the creativity of my students through this magazine.

I'm sure that the readers will find this magazine interesting and worth reading.

Although every effort has been taken to make sure this maiden effort as an editor be successful but the possibility of any error can't be ruled out, so suggestions are welcomed.

With very high hopes with "अंकुर " I present it for your joyful experience.

Thank You.

SARVESH KUMAR GIRI

हिन्दी विभाग

बारिश का मजा

बारिश आई चलो नहाएँ |

इस बारिश में धूम मचाएँ ||

काले बादल घनघोर घटाएँ |

बारिश आई चलो नहाएँ ||

हम अपने दोस्तों को बुलाएँ |

चलो हम धूम धड़ाका मचाएँ ||

मजे लेकर नाचे गाएँ |

बूंदों को हम छन छन छनकायें ||

बारिश आई- बारिश आई|

चलो हम पानी के बूंदो का मजा ले

हो बारिश आई बारिश आई

बड़ी तेज बारिश आई

ठंडी ठंडी फुहार लाई

किसानों की खुशियाँ लगाई

बारिश आई- बारिश आई

बूँदे हम पर गिरती||

सोनाक्षी सिंह

(कक्षा -6)

कोरोना कवि

रखो स्वच्छता अब किसी से डरो ना।

बिना काम के आप घूमो फ़िरो ना।

सुरक्षा सदा प्राथमिक कार्य हो अब।

प्रसारित नहीं हो सकेगा कोरोना।

छिपाओ नहीं व्याधि का शक कभी हो।

स्वतः ध्यान खुद का अकेले धरो ना।

प्रसारित उपायों का' पालन करो नित।

नहीं भ्रांति कोई हृदय में भरो ना।

सही सूचना दो सभी को डरे बिना ।

विपदा विश्व की आज मिल कर हरो ना।

महामारियाँ प्राण लेतीं अचानक।

बिना जानकारी कभी मत मरो ना।

भलाई इसी में चिकित्सा करो तुम।

अगर छू गया हो कहीं से कोरोना।

कमलेश कुमार

प्राथमिक शिक्षक

केन्द्रीय विद्यालय भदोही

मैं हूँ रंग रंगीली चिड़िया

फुदक-फुदक कर मैं उड़ जाती ।

बच्चे मुझे पकड़ने आते,

मैं तो उनके हाथ न आती ।

अच्छे बच्चे मुझे खिलाते,

साथ में अपने दाने लाते ।

कुछ-कुछ दाने चुगती हूँ मैं,

कुछ दानों को ले उड़ जाती ।।

दिन भर खेलूँ, मज़े करूँ मैं,

सबके मन को हूँ मैं भाती ।।

मैं हूँ रंग-रंगीली चिड़िया,

फुदक-फुदक कर मैं उड़ जाती ।

शिवांशी पाण्डेय

कक्षा-१

[कविता]

कोरोना वॉयरस

हर जन का यही नारा है,
कोरोना को हरना है।
मुह पे मास्क लगाना है,
कोरोना को हराना है।
सबसे दुरी बनाना है,
हाथ में सेनीटाइजर लगाना है,
कोरोना को भगाना है॥
करेगें सफाई दिन और रात
आने से पहले, आने के बाद
लगाये साबुन सुबह हो या शाम

तभी होगा कोरोना पे वार ॥

सबको घर में बैठाना है।

कोरोना को हराना है।

देश से अपने भगाना है ॥

देश से अपने भगाना है ॥

दिशा दूबे

6th अ

(के॰वी

भदोही)

"मैं हूँ तितली"

मैं उड़ कर फूलों पर आती ,

रस पीकर फिर मैं उड़ जाती।।

रंग-बिरंगे पंख हैं मेरे ,

बच्चों को मैं खूब लुभाती ।।

हरे-भरे बागों में उड़ती ,

फूलों पर हूँ मैं मंडराती ।।

मैं प्यारे रंगों से सबके,

जीवन को रंगमय कर जाती ।।

मैं हूँ सबके मन को भाती,

मीठे-मीठे गीत सुनाती।।

जैसा चंचल मन है मेरा,

सबका मन चंचल कर जाती ।।

प्रियांश पाण्डेय

कक्षा-५

कोरोना से दो- दो हाथ

मिलकर कोरोना को हराना है,
घर से हमें कहीं नहीं जाना है,
हाथ किसी से नहीं मिलाना है,
चेहरे को हाथ नहीं लगाना है,

बार-बार अच्छे से हाथ धोते जाना है,
सेनेटाइज करके देश को स्वच्छ बनाना है,
बचाव ही इलाज है यह समझाना है,
कोरोना से हमकों नहीं घबराना है,
सावधानी रखकर कोरोना को मिटाना है,
देशहित में सभी को यह कदम उठाना है।

आर्या सिंह

कक्षा -२

भुलक्कड़ नेता जी

मंच हुआ तैयार, तभी नेता जी मंच पे आये

प्यारे भाइयों और उनकी बहनों जोर की आवाज़ लगाए

बजी तालियों कि गड़गड़, माहौल हुआ स्वरमान

शांत -शांत कहकर नेताजी, थोड़ा सा मुस्काये.

माइक की सेटिंग ठीक किये फिर मूँछो पर ताव लगाए.

पर नेता जी बड़े भुल्लकड़, आगे कि बात भुलाये

हुए पसीने से लथपथ, जो भूल गए हर बात

अंधकार आँखों में छाया, और नानी आई याद

फिर जूते, चप्पल बरस गए और टूट गए अरमान

नेताई सब भूल गए, मिट्टी में मिला सम्मान।

नमित अग्रहरि

(कक्षा -२)

सीधा-साधा कौवा

एक हरे-भरे जंगल में, एक था कौवा रहता ।
था वो इतना सीधा-साधा, किसी से कुछ ना कहता ।।
यही जानकर जंगल में सब, मिलकर उसे चिढ़ाते ।
एक गिलहरी रोज़ देखती, ये सब आते-जाते ।।
एक दिन उसने पूछा तुम सब, क्यों करते हो ऐसा ?
वो भी तुम्हारा भाई है, वो है बिल्कुल तुम जैसा।।

उसे चिढ़ाने में सब बोले, बहुत मज़ा आता है ।
तुम क्यों बोल रही हो बोलो, तुम्हारा क्या जाता है ??
कौवा बहुत उदास हो गया, ये सब बातें सुनकर ।
लगा सोचने लूँगा बदला, इन सबसे चुन-चुन कर।।

तभी गिलहरी ने समझाया, मत सोचो कुछ ऐसा ।
तुम तो हो सबसे अच्छे, क्यों बनते हो उन जैसा ?
बात गिलहरी की कौवे ने, सोच समझ कर मानी ।
खतम हुई कहानी भईया, खतम हुई कहानी।।

अनन्त प्रकाश राव

प्राथमिक शिक्षक (संगीत)

संयम

मुश्किल बड़ी घड़ी है
संयम बनाये रखना
एक फ़ासला बनाकर
खुद को बचाये रखना

है जिंदगी नियामत
असमय ये खो ना जाये
इस देश पर कोरोना
हावी ना होने पाये

ये वक्त कह रहा है
घर से नहीं निकलना

दिन-रात जो जुटे हैं
रहकर सजग हमेशा
अफ़वाहों से भी बचना

मुश्किल बड़ी घड़ी है
संयम बनाये रखना

निज शक्ति को बढ़ाना
संकल्प से ही अपने
इस रोग को हराना
हाथों को अपने साथी
कई बार धोते रहना

उनको नमन करें हम
सेवा में जो लगे हैं
सब कुछ भुला के अपना

वैष्णवी सिंह
कक्षा -४

“मेरी प्रिय अध्यापिका"

घर छोड़ कर शुरू -शुरू में

स्कूल चला जब आता था।

माँ को याद कर- कर के

मैं बहुत आँसू बहाता था।

फिर प्यारी अध्यापिका ने

प्यार से मुझको समझाया

मैं भी तो माँ जैसी हूँ ।

कह कर मुझको समझाया।

अपनी प्यारी शिक्षिका को।

धन्यवाद चाहता हूँ कहना।

आप हमेशा नन्हें - मुन्हें

संग बस ऐसे ही रहना।

आकांक्षा यादव

कक्षा -५

शिक्षक

ज्ञान का दीपक वो जलाते हैं,

माता पिता के बाद वो आते हैं।

माता देती हैं हमको जीवन,

पिता करते हैं हमारी सुरक्षा,

लेकिन जो जीवन को सजाते हैं,

वही हमारे शिक्षक कहलाते हैं।

शिक्षक बिना न ज्ञान है,

शिक्षक बिना न मान है,

हमारा जीवन सफल बनाते हैं,

ज्ञान का दीपक वो जलाते हैं।

जीवन संघर्षों से लड़ना शिक्षक हमें बताते हैं।

सत्य न्याय के पथ पर चलना शिक्षक हमें बताते हैं

ज्ञान का दीपक वो जलाते हैं, माता पिता के बाद वो आते हैं!

वैष्णवी सिंह

कक्षा-४

माँ

प्यारी जग से न्यारी माँ

खुशियाँ देती सारी माँ ।।

चलना हमें सिखाती माँ

मंज़िल हमें दिखाती माँ ।।

सबसे मीठा बोल है माँ

दुनिया में अनमोल है माँ ।।

खाना हमें खिलाती माँ

लोरी गाकर सुलाती माँ ।।

प्यारी जग से न्यारी माँ

खुशियाँ देती सारी माँ।।

प्रतीक्षा गुप्ता

कक्षा-१

समय की क़ीमत

समय पर उगता सूरज प्रतिदिन,

समय पर दिखता चंदा है ।

समय पर चमके तारे नभ में,

समय प्रकृति का पहिया है ।।

समय न डरता तेज़ धूप से,

ना तूफ़ानों से डरता है ।

समय न डरता बंदूकों से

समय अविरल चलता है ।।

आगे बढ़ो बढ़ते रहो,

समय यही सिखलाता है ।

जो करे दुरुपयोग समय का,

वह पीछे पछताता है ।।

जो समय निकल चुका है,

फिर मुड़कर नहीं आयेगा ।

जो ना समझे समय की क़ीमत,

पछताता रह जायेगा ।।

सृजन पांडे

कक्षा-१

हौसला

कुछ करना है तो डटकर चल,

थोड़ा दुनिया से हटकर चल ।

लीक पर तो सभी चलते हैं,

कभी इतिहास को पलटकर चल।।

बिना काम के मुक़ाम कैसा?

बिना मेहनत के दाम कैसा ।

अर्जुन सा निशाना रख,

मन में ना कोई बहाना रख ।

लक्ष्य सामने है बस,

उसी पे अपना ठिकाना रख ।।

सोच मत साकार कर,

अपने कामों से प्यार कर ।

मिलेगा तेरी मेहनत का फल,

किसी और का ना इंतज़ार कर ।।

चले थे अकेले, उनके पीछे आज मेले हैं,

जो करते रहे इंतज़ार,

उनकी ज़िंदगी में आज भी झमेले हैं ।।

विनय पांडे

कक्षा-५

याद करेगा हिंदुस्तान

याद करेगा हिंदुस्तान

कोरोना का ये अभिमान

रखना है देश का ध्यान

याद करेगा हिंदुस्तान।।

घर में रहना हमारी शान

यही हमारा है बलिदान

याद करेगा हिंदुस्तान

बच्चों बुजुर्गों का रखना मान

पूरा रखना हमें इनका ध्यान

याद करेगा हिंदुस्तान।।

कितनों ने झोंकी जान

करना हमें उनका सम्मान

याद करेगा हिंदुस्तान

घर में रखो पूरा सामान

लक्ष्मण रेखा का रखो भान

याद करेगा हिंदुस्तान

बचानी है सबकी जान

कोरोना का तोड़ो अभिमान

याद करेगा हिंदुस्तान

(स्रोत : कोरोना कविता संग्रह)

जितेन्द्र कुमार सिंह

प्राथमिक शिक्षक

केन्द्रीय विद्यालय भदोही

भगवान जी

भगवान जी सबकुछ सही कर दो न फिर से

भगवान जी सबकुछ सही कर दो न फिर से

याद आती है

बहुत याद आती है विद्यालय की

अध्यापक गण की

बच्चों और दोस्तों की

वो क्या दिन थे

जोर-शोर के दिन थे

मस्ती-मज़ाक के दिन थे

कभी खेलते-कूदते

खिल खिलाकर लगातार हँसते

तो कभी अध्यापक से डाँट खाते

अब घर से ही पढ़ाई करते हैं

घर में मस्ती मजाक करते हैं

घर मे ही खेलते-कूदते हैं

बहुत याद आती है विद्यालय की

अध्यापक गण की

बच्चों और दोस्तों की

भगवान जी सब कुछ सही कर दो न फिर से

भगवान जी सब कुछ सही कर दो न फिर से

प्रमोद कुमार प्रजापति

प्राथमिक शिक्षक

केन्द्रीय विद्यालय भदोही

क्यों ?

क्यों हमें दबातें हैं लोग, क्यों हमें सताते हैं लोग

क्यों हमें जीने का हक़ नहीं, क्यों हमें जलाते हैं लोग

क्यों लड़कियाँ अभिशाप हैं, जबकि हमसे ही आपका कल

आपका आज है |

चंद सवालों के जवाब तो दो, चंद सच को जानो तो सही

अपने नज़रिये को बदलो तो सही

विचारों में परिवर्तन तो लाओ

हमें मौका तो दो, हम लड़कियाँ हैं

क्यों ना हम ये प्रण करें

क्यों ना बदले हम अपने सोच को

हमें मौका तो दो, हम जी सकते हैं

हम लड़ सकते हैं, हम खुद को साबित कर सकते हैं

हमें आगे बढ़ने तो दो, हमें मौका तो दो|

विभा मिश्रा

प्राथमिक शिक्षिका

केन्द्रीय विद्यालय भदोही

ENGLISH

THOUGHTS OF GAUTAM BUDDHA

- "An insincere and evil friend is more to be feared than a wild beast; a wild beast may wound your body but an evil friend will wound your mind."
- Conquer yourself before proving anything in front of others, it is important that we prove ourselves.
- Every human competes first, so before winning others, it is important that we win ourselves .
- Work for your own salvation don't depend on others.

ATHARV YADAV

CLASS VI

THOUGHTS OF Dr. APJ ABDUL KALAM

- To succeed in your mission, you must have single-minded devotion to your goal.
- If you fail , never give up because FAIL means “First attempt in learning”.
- “If you want to shine like a sun, First burn like a sun”

AYUSH YADAV

CLASS VI

COVID POEM

I sit and think

how our lives changed in a blink

Amidst in all
Is this a wakeup call ?

Is this a total negative
Or
just a temporary sedative

Does God need to interject
So his creation can reflect

As we lost some stability
Do we gain some humility

If we feel we're in total control
Does this not take a harder toll.

I've noticed through it all
Families outdoors throwing a ball
Couples are walking
Maybe doing more talking

Sometimes in the disaster
We can remember who is the master

May be that's a good perspective
That keeps up grateful and reflective.

I do not make light
That many will lose to this fight

For families left behind
May we show up , may we be kind.

DISHA DUBEY

CLASS VI

DEDICATED TO FRIENDS

One One two

I miss you too

Two two four

I miss you more

Three three six

Love is risk

Four four eight

Friendship is great

Poem ends

Miss you friends...!!

GOOD MORNING POEM

O Sun God,
O effulgence embodied
O pervasive radiance,
O Slayer of darkness,
O awakener of the lotus
That wakes to your rays,
You are the destroyer of disease and dread,
Primal light, maker of day,
The radiant one…
Many are the names by which we address you,
O great ancestors of the Sun dynasty,

Your Ram makes to you
A million -fold obeisance,

RUDRA PANDEY

CLASS VI

Why GOD Made Teachers

By Kevin William Huff

When GOD created teachers,

He gave us special friends

To help us understand His world

And truly comprehend

The beauty & the wonder

Of everything we see

And become a better person

With each discovery.

When GOD created teachers,

He gave us special guides

To show us ways in which to grow

So we can all decide

How to live and how to do

What's right instead of wrong,

To lead us so that we can lead

And learn how to be strong.

When GOD created teachers,

In His wisdom and His grace,

Was to help us learn to make our world

A better, wiser place.

Ms. Shrutika Srivastava

PRT

DEAR TEACHERS

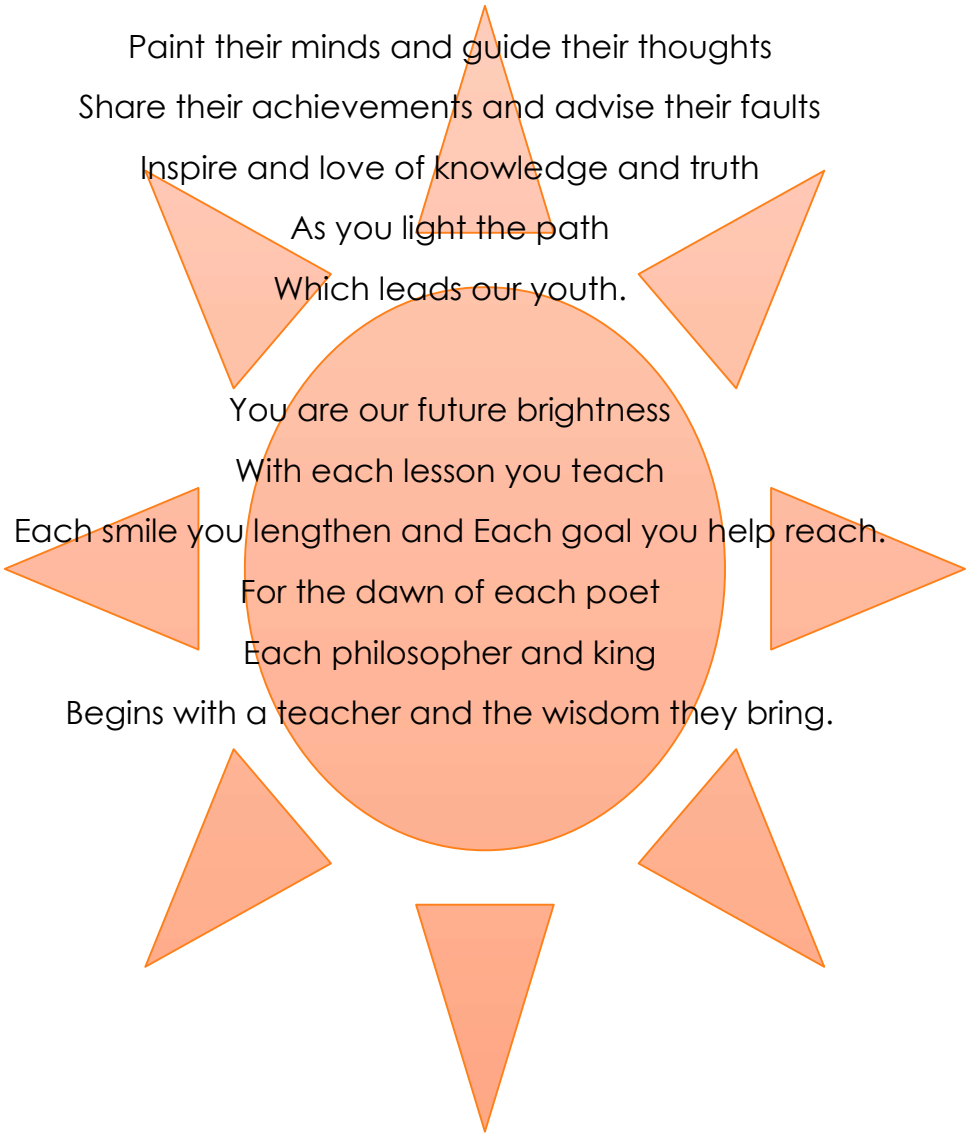

Paint their minds and guide their thoughts
Share their achievements and advise their faults
Inspire and love of knowledge and truth
As you light the path
Which leads our youth.

You are our future brightness
With each lesson you teach
Each smile you lengthen and Each goal you help reach.
For the dawn of each poet
Each philosopher and king
Begins with a teacher and the wisdom they bring.

Akanksha Yadav

Class 5

Stay home
Safe Earth
From Covid-19
Hand Sanitizer
Made by
⇒ Disha Dubey
6th A

Open Letter : **TEACHING PROFESSION IS NOT JUST BREAD & BUTTER**

Teachers are addressed as 'Learned' for learning is supposed to be the part of their profession. It is an act of contempt to say that a teacher isn't learned. In the present day materialistic world the equations are changing. The profession has thus turned into a 'bread and butter' supply industry and some have turned into money minting machines thus degrading the quality of teaching as a whole and there has been a significant shift from teaching learning to earning. Teaching is considered to be the mother of all profession, but due to commercial interests this profession has lost humanized approach, depriving him of finer sensitivities and more in the fall of standards in legal education and consequently of the teaching profession as a whole.

As every plant that grows indicate the nature of the soil from which it shoots up, so also every leader a society puts forth truly reflects the intellectual, moral and spiritual attitudes are reflected in the leaders. The nature of those who join any profession therefore indicate the nature of society they come from.

The state of any profession in closely linked with its members, their physical, mental , intellectual, moral ethical and spiritual values that attach of life. It is only those who have regard for these values can maintain any standards in a profession and uphold professional integrity people of contradictions, good in aping ideas and styles from others and abandon our own heritage superior in many aspects.

Schools according to the Indian concepts is not merely a citadel of brick and mortar, but a temple of knowledge. The function of a teacher is to dispense knowledge with zeal to give back to the society whatever he has received from the society.

Teaching is no doubt one of the noblest profession, and I feel privileged to be in such a profession which has given me such a great opportunity to share my thoughts, knowledge and experience with you.

With best wishes to all the members of teaching fraternity. I bid you all good luck.

Sarvesh Kumar Giri

PRT

Kendriya Vidyalaya Bhadohi

TEACHING STAFF OF KENDRIYA VIDYALAYA BHADOHI

Shri Sarvesh Kumar Giri

B.Tech (EEE), B.Ed

PRT

Shri Jitendra Kumar Singh

B.Sc, B.Ed

PRT

Shri Anant Prakash Rao

MA (Music)

PRT(Music)

Shri Pramod Kumar Prajapati

MSc. (Chemistry) , B.Ed

PRT

Shri Kamlesh Kumar

BA, B.Ed

PRT

Ms.Shrutika Srivastava

M.Com, B.Ed

PRT

Ms. Vibha Mishra

MA (Hindi), B.Ed

PRT

.....